प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

वृक्षायुर्वेद एवं आधुनिक विज्ञान का मिलन केवल एक सम्भावना ही नहीं है अपितु यह एक आवश्यकता है : कुलपति

पंतनगर।15 दिसम्बर 2024। देहरादून में आयोजित चार–दिवसीय विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो का मुख्य अतिथि पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा उद्घाटन किया गया और उन्होंने पशु चिकित्सा आयुर्वेद चिकित्सा अनुभाग की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि वृक्षायुर्वेद और आधुनिक विज्ञान का मिलन केवल एक संभावना नहीं है। यह एक आवश्यकता है। यह स्थायी कृषि की ओर एक मार्ग का प्रतिनिधित्व करता है जो नवाचार को अपनाते हुए हमारी परंपराओं का सम्मान करता है। उन्होंने शोधकर्ताओं, शिक्षकों और छात्रों से आह्वान किया कि हम सब को मिलकर एक ऐसी दुनिया बनाने का नेतृत्व करना चाहिए जहाँ कृषि फले–फूले, पारिस्थितिकी तंत्र फले–फूले और आने वाली पीढ़ियाँ हमारे द्वारा संरक्षित और नवाचार किए गए ज्ञान से लाभान्वित हों। पशु चिकित्सा आयुर्वेद परंपरा और नवाचार के बीच की खाई को पाटता है, पशु स्वास्थ्य और कल्याण के लिए स्थायी समाधान प्रदान करता है। अकादमिक अनुसंधान, औद्योगिक विशेषज्ञता और समृद्ध पारंपरिक ज्ञान का लाभ उठाकर, एक पशु चिकित्सा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना संभव है जो एंटीबायोटिक निर्भरता को कम करता है, उत्पादकता में सुधार करता है और प्रतिजैविक प्रतिरोध जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करता है। यह एकीकृत दृष्टिकोण न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करता है, बल्कि पशु चिकित्सा देखभाल में अधिक स्वस्थ, अधिक टिकाऊ भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो में मुख्य अतिथि कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।